

पार ध्रम्य- ममेद्र हे जो वर्ष हरा-हरा- अत्यधिक हरा, काला - अत्यधिक काला पीला-जर्- जा पीला है जो जर (पीला) है। हरोकच्य- अत्यधिक हरा



सफेद-फुम्क - अत्यधिक सकेद मीताः असक - अत्यधिक नीता गादा-गच्य- अत्यधिक गाड़ा,

विशेष - यदि किसी वान्य में विशेषण- विशेषण की पुनरावृत्ति हो हो वहीं कर्मधारय समास होता है और यदि भैजा- संज्ञा की पुनरावृत्ति हो तो वहाँ अव्ययीभाव समास होता है।



इन्द्र समास-

इस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं, जिल्नी प्रधानता पहले पद की हो ली है, उतनी ही प्रधानता इसर पद की हाती है-र्षेसे - अख - दुःख - अख या दुःख,

पचपन- पाँच अर पचास



```
इन्ड समास की लीन अगों में थीरा जाता है-
0 > इतरेतर दन्द्व - और
(ii) > समाहार बन्द - आदि । इत्यादि
(iii) > वैकस्पिक बन्द - या । अथवा
```



## (1) इसरेसर दन्द्र- असर

इस समास में दोनों पदों के बीच प्रमुक्त 'और'का लोप हो जाता है, इसिक्ट इसे इतरेतर-वन्द्व समास् कहते हैं-जैसे - कृष्णार्जुन - कृष्ण और अर्जुन, बाध्ययाम- राधा और श्रयाम



मीताराम - सीता और राम, हिरिहर्-हरि(पिष्णु) और हर् (शिष्) (भव-कुर्श - अव और कुर्श) मुगसुर - सुर (वेवला) और असुर (राक्षस) व्यस्त्रस्त्र – व्रास्त्र और अस्त्र । जल और वायु



धनुवाण - धनुष भार वाण, तन-मन-धन- तन, मन और धन पात-बात-पात – पात बात भीर पात, जान-विज्ञान – ज्ञान और विज्ञान अइस्ट- आठ और साठ, लिरसड - तीन भौर साउ पच्चीम- पाँच और जीस इकतीम- एक और लीस



पंतीय और तीस इष्टनर - एक और सन्तर विशेष- एक में भेकर दस और दस से भाज्य में की छोड़कर

विशेष- एक में भेकर पस और प्रेस से आज्य सेक्याओं की छी।
गथा उन 'उपसर्ग वाती संख्याओं को छोड़कर बाकी सभी में
'इतरतर दुन्द' समास होता है।



## (ii) प्रमाहार द्वन्द्व - 'आदि । इत्यादि ।

इस समास में दोनों पद मिलकर किसी अन्य मैजा के अर्थ का भी बोध करते हैं और दोनों पद अहुवचन में प्रमुक्त होते हैं लथा इसके समास विग्रह के भैल में 'आदि/इत्यादि' का बोध होता है-जैसे- दाल-रोटी- दाल, रोटी भादि, याय-पानी-याय पानी भादि



1951-4711- 07451, MAI 31/9 फुल -छुल - फुल, छुल आदि फुल -सुल-मेवा-मिक्टान्न - फुल, छुल, मेवा और मिक्टान्न इत्यादि पड़-पाथ- पड़,पाथ-आदि
पड़-पाथ- पड़,पाथ-आदि हाथ-पर्- हाथ, पर भादि



-याय-<u>वाय</u> - त्याय आदि, रोरो-<u>वारी</u> - रोरी भादि अड़ास-पड़ास - पड़ास आदि धन-दौराए – धन, दौराए आदि, यागा-पीट्या - यागा, पीट्या आदि